असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

26 अगस्त, 2022

सप्तदश विधान सभा 26 अगस्त, 2022 ई0
षष्ठम सत्र शुक्रवार, तिथि 04 भाद्र, 1944(शक)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय -11.00 बजे पूर्वाह्न)
(इस अवसर पर माननीय उपाध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

उपाध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है।

श्री विजय कुमार सिन्हा : महोदय.....

उपाध्यक्ष : बैठिए, अभी बैठिए आप । पहले बैठिए आप ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-2 के तहत माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को सदन नेता के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है ।

(इस अवसर पर भाजपा के मा0 सदस्यगण वेल में आ गये)

बिहार विधान सभा के माननीय सदस्य श्री विजय कुमार सिन्हा को विरोधी दल के नेता के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है ।

माननीय सदस्यगण, अब अध्यक्ष के निर्वाचन का कार्यक्रम प्रारंभ किया जाता है । सभा सचिव महामहिम राज्यपाल से प्राप्त आदेश को पढ़ेंगे । सभा सचिव ।

सभा सचिव : महामहिम राज्यपाल से प्राप्त आदेश को मैं पढ़ता हूँ :-

''भारत का संविधान के अनुच्छेद 178 तथा बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-9 (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, फागू चौहान, बिहार का राज्यपाल, इसके द्वारा बिहार विधान सभा के अध्यक्ष का निर्वाचन हेतु 26 अगस्त, 2022 की तिथि निर्धारित करता हूँ ।

पटना, फागू चौहान
दिनांक 24.08.2022 राज्यपाल, बिहार ।''

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के निर्वाचन के संबंध में बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली में जो प्रावधान है, जो मत विभाजन की प्रक्रिया है, उसे सभा सचिव पढ़कर सुनायेंगे । सभा सचिव ।

सभा सचिव : बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली का नियम-9 जो अध्यक्ष के निर्वाचन से सम्बन्धित है, वह इस प्रकार है :-

नियम-9 के उप नियम (1) अध्यक्ष का निर्वाचन उस तिथि को होगा जो राज्यपाल नियत करेंगे और सचिव उस तिथि की सूचना हर सदस्य को भेजेंगे । उप नियम (2) इस प्रकार नियत तिथि के पूर्व दिन मध्याह्न के पहले किसी समय कोई सदस्य सचिव को संबोधित करते हुये इस आशय के प्रस्ताव की लिखित सूचना दे सकेंगे कि कोई दूसरे सदस्य (सदन के) अध्यक्ष चुने जायें । यह सूचना किसी तीसरे सदस्य द्वारा अनुमोदित होगी और सूचना में जिन सदस्य का नाम प्रस्तावित हो, उनका यह वक्तव्य भी साथ रहेगा कि निर्वाचित होने पर वे अध्यक्ष के रूप में कार्य करने को राजी है;

परन्तु कोई सदस्य न तो अपना नाम प्रस्थापित करेंगे, न अपना नाम प्रस्थापित करने वाले किसी प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगे और न एक से अधिक प्रस्तावों की प्रस्थापना या अनुमोदन करेंगे ।

उप नियम (3) जिन सदस्य के नाम पर कार्य सूची में कोई प्रस्ताव हो, वे पुकारे जाने पर प्रस्ताव करेंगे या उसे वापस लेंगे और इस आशय के वक्तव्य मात्र तक अपने को सीमित रखेंगे;

परन्तु उम्मीदवार उस प्रस्ताव पर मत लिये जाने के पहले किसी समय अपना नाम वापस ले सकेंगे ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य से आग्रह है कि कृपया बैठ जाएं, अध्यक्ष का चुनाव होना है उसके बाद अपनी बात रखियेगा, बैठिए पहले । पहले स्थान ग्रहण करने के लिए उनलोगों को कहिये, अभी चुनाव होगा चुनाव के बाद जो बात होगा रखियेगा ।

सभा सचिव : उप नियम- (4) इस प्रकार किये गये और यथावत् अनुमोदित प्रस्ताव जिस क्रम से वे किये गये हों, उसी क्रम से एक-एक करके मत के लिए रखे जायेंगे और यदि आवश्यक हो तो, विभाजन द्वारा उनका निर्णय होगा । यदि कोई प्रस्ताव स्वीकृत हो जायँ तो अध्यासी व्यक्ति बाद के प्रस्ताव रखे बिना, घोषित करेंगे कि स्वीकृत प्रस्ताव में प्रस्थापित सदस्य सदन के अध्यक्ष चुन लिये गये ।

अब नियम 56 को पढ़ता हूँ जो विभाजन के संबंध में है ।

विभाजन की प्रक्रिया:-

नियम- 56 का उप नियम- (1) किसी प्रस्ताव पर वाद-विवाद समाप्त हो जाने पर अध्यक्ष प्रश्न रखेंगे कि जो प्रस्ताव के पक्ष में हों वे ''हाँ'' कहें और जो इसके विपक्ष में हों वे ''ना'' कहें । तब अध्यक्ष यह घोषित करेंगे कि उनकी राय में ''हाँ'' के पक्ष में बहुमत है या ''ना'' के पक्ष में ।

(इस अवसर पर भाजपा के माननीय सदस्यगण अपनी सीट पर चले गये)

उप नियम- (2) किसी प्रश्न के निर्णय के संबंध में अध्यक्ष की राय पर आपत्ति करने वाले कोई सदस्य विभाजन की माँग कर सकेंगे ।

परन्तु, कोई सदस्य ऐसे विभाजन की माँग न करेंगे, जबतक कि उन्होंने अध्यक्ष द्वारा यथाघोषित बहुमत के विरूद्ध मौखिक मत न दिया हो ।

उप नियम- (3) विभाजन की माँग होते ही अध्यक्ष, यदि उनकी राय में विभाजन की माँग अनावश्यक न हो तो, सचिव को तीन मिनट तक विभाजन-घंटी बजाने का निर्देश देंगे और उसके समाप्त होने पर उपवेश्मों से सभावेश्म आने के सभी द्वार बन्द कर दिये जायेंगे । जबतक विभाजन समाप्त न हो जायँ तबतक किन्हीं सदस्य को सभावेश्म के भीतर आने या उसके बाहर न जाने दिया जायेगा ।

उप नियम- (4) द्वार बन्द हो जाने पर अध्यक्ष फिर प्रश्न रखेंगे, और यदि उप-नियम (2) में विहित रीति से फिर विभाजन की माँग की जायँ, तो विभाजन द्वारा मत लिया जायेगा, और अध्यक्ष यह अवधारित करेंगे कि विभाजन द्वारा मत किस पद्धति से लिया जाय- यथा सदस्यों को विभाजित होकर उपवेश्मों में जाने के लिए कहकर या मत गिनने के प्रयोजन से उन्हें अपने-अपने स्थान पर खड़े होने के लिए कहकर या अन्यथा; किन्तु दूसरी बार प्रश्न रखे जाने के समय जो सदस्य सदन में उपस्थित न रहे हों, वे मत देने के हकदार न होंगे । यदि अध्यक्ष ''हाँ'' पक्षवालों और ''ना'' पक्षवालों को उपवेश्मों में जाने का निर्देश दें तो वे हर पक्ष के लिए दो या दो से अधिक गणक नियुक्त कर सकेंगे ।

उप नियम- (5) जो सदस्य, यथास्थिति 'हाँ' पक्ष में या ''ना'' पक्ष में अपना मौखिक मत दे चुके हों, उन्हें विभाजन होने पर विरूद्ध विचार वाले पक्ष के साथ मत देने की स्वतंत्रता न होगी ।

उप नियम- (6) अध्यक्ष को प्रतिवेदित मत-संख्या के बारे में यदि कोई गड़बड़ या भूल हो तो अध्यक्ष यथोचित निर्देश दे सकेंगे ।

उप नियम- (7) यदि सदन में विभाजन का परिणाम घोषित हो जाने के बाद विभाजन सूचियों में कोई भूल दीख पड़े, तो अध्यक्ष इस विषय में समाधान हो जाने पर कि भूल वास्तविक है, उसे सुधारने का आदेश दे सकेंगे ।

उप नियम- (8) अध्यक्ष सभा को विभाजित होने के लिए कहें, उससे पहले किसी समय, किसी नकारात्मक आवाज के बिना दी गयी सभा की अनुमति से विभाजन की माँग वापस ली जा सकेगी । ऐसा होने पर, विभाजन न किया जायेगा, और अध्यक्ष के जिस निर्णय पर आपत्ति की गयी हो, वह बना रहेगा ।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए कुल पाँच प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं । सभी प्रस्ताव एक ही माननीय सदस्य श्री अवध विहारी चौधरी के संबंध में प्राप्त हुए हैं । जो प्रस्ताव है उसे मैं क्रमवार सदन के सामने उपस्थित कर रहा हूँ । प्रथम प्रस्ताव है श्री जीतन राम मांझी, स0वि0स0 और अनुमोदनकर्त्ता हैं श्री अजीत शर्मा, स0वि0स0, दूसरे प्रस्तावक हैं श्री प्रहलाद यादव, स0वि0स0 और अनुमोदनकर्त्ता हैं श्रीमती अनिता देवी स0वि0स0, तीसरे प्रस्तावक हैं श्री विजय कुमार चौधरी, स0वि0स0 और अनुमोदनकर्त्ता हैं श्री अजय कुमार, स0वि0स0, चौथे प्रस्तावक हैं श्री महबूब आलम स0वि0स0 और अनुमोदनकर्त्ता हैं श्री श्रवण कुमार, स0वि0स0, पांचवें प्रस्तावक हैं श्री अख्तरूल ईमान स0वि0स0 और अनुमोदनकर्त्ता हैं श्री राम रतन सिंह, स0वि0स0 । माननीय सदस्यगण, सभी प्रस्ताव नियमानुकूल हैं । माननीय सदस्य श्री जीतन राम मांझी जी का प्रस्ताव प्रथम है इसलिए मैं उन्हें प्राथमिकता देता हूँ । श्री जीतन राम मांझी जी, अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करें ।

श्री जीतन राम मांझी : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि

''श्री अवध विहारी चौधरी, स0वि0स0 बिहार विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाएं।''

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा ।

श्री अजीत शर्मा : मैं इसका अनुमोदन करता हूँ ।

उपाध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''श्री अवध विहारी चौधरी, स0वि0स0 बिहार विधान सभा के अध्यक्ष चुने जाएं।''

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, ने0वि0द0 : उपाध्यक्ष महोदय, पूरे सदन की सर्वसम्मति है ।

उपाध्यक्ष : सदन की सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ ।

श्री अवध विहारी चौधरी, स0वि0स0 सर्वसम्मति से बिहार विधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए ।

टर्न–2/पुलकित/26.08.2022

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, जब कोई दूसरा नामांकन ही नहीं हुआ था तो यह तो स्वाभाविक रूप से पूरे सदन की स्वीकृति का द्योतक है कि पूरा सदन श्री अवध विहारी चौधरी जी को अध्यक्ष के रूप में देखना चाहता है ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : उपाध्यक्ष महोदय, ये सलाह बाद में देते हैं, ये पहले बोलते तो आप पहले ही बता देते ।

उपाध्यक्ष : अब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय नेता विरोधी दल श्री विजय कुमार सिन्हा जी से आग्रह करता हूं कि माननीय अध्यक्ष को आसन पर लाने की कृपा करें ।

(इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी एवं माननीय नेता विरोधी दल द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय को आसन पर लाया गया एवं माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

(बधाई)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री सत्यदेव राम जी कृपया आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि मुझे सदन ने, आपने मुझे सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुनने का काम किया है इसलिए मैं चाहता हूं कि आप अपने विचार सदन के सामने रखने का काम करें ।

श्री नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज सर्वसम्मति से श्री अवध विहारी चौधरी जी आप अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए हैं इसके लिए मैं आपका स्वागत करता हूं, आपका अभिनन्दन करता हूं और पूरे सदन ने एकमत से आपको इस पद पर आसीन किया है और आपका अनुभव तो बहुत पुराना है, आप तो विधान सभा के सदस्य बहुत पहले से रहे हैं । हम भी जब पहली बार सदस्य बने थे तो उस समय भी आप सदस्य थे । आप कितने दिनों से सदस्य यहां रहे हैं आपका तो इतना समूचा है और कई बार आप यहां विधान सभा के सदस्य के रूप में काम करते रहे हैं, सरकार के मंत्री के रूप में काम करते रहे हैं और आज आपको यह अवसर मिला है कि अब आप विधान सभा के अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे तो यह बड़ी खुशी की बात है और आपका इतना पौराणिक अनुभव एक-एक चीज के बारे में है, हर चीज की जानकारी है । आप बहुत अच्छे ढंग से संचालन करेंगे और हम तो यही कहेंगे कि सारे सदस्यों पर ध्यान दीजिये चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो, सबके विचारों को सुनना चाहिए, सब पर ध्यान देना चाहिए । यह सदैव एक परम्परा है शुरू से ही सब लोगों की बात सुनी जाती है, सदन के अंदर जो कार्यवाही होती है उसमें सब लोगों की बात सुनी जाती है, पूरी बात रखी जाती है और जो कुछ भी होता है और हर तरह से आपका यहां पर अनुभव है इसमें हमको कुछ बताने की क्या आवश्यकता है । एक-एक चीज पर आपका अनुभव है इसलिए उस अनुभव के आधार पर मुझे पूरा भरोसा है कि सब मिलकर के और हम सब लोगों से उम्मीद करेंगे कि जब एकमत से इनको आपने आसीन किया है

तो उसी तरह से हमेशा इनका एक सम्मान रखना चाहिए और मिलकर के जैसा भी हो विचार तो अलग-अलग होते ही हैं, लेकिन उससे क्या फर्क पड़ता है हाऊस को चलना चाहिए और नियमित रूप से हाऊस को चलना चाहिए । सबको तो अपनी-अपनी बात कहने का अधिकार है ही लेकिन हाऊस चलना चाहिए और खूब ढंग से चलना चाहिए । अपनी बात कहने के लिए तो सब स्वतंत्र हैं लेकिन मिलकर के चलिए और हमको कहेंगे तो हम तो पहले ही कह चुके हैं इसलिए इन सब बात को छोड़िये । अब जो कुछ भी स्थिति आई है, उसके बाद जो कुछ भी है सब लोग काम करिये और सदन के हित में सारा काम करिये । इस अवसर पर आपका मैं फिर से अभिनन्दन करता हूं और यह पूरा सदन ठीक ढंग से सदैव चलेगा इसकी पूरी उम्मीद है । इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको बहुत बधाई देता हूं ।

अध्यक्ष : अब हम प्रतिपक्ष के नेता, माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा जी से चाहते हैं कि वे अपने विचार व्यक्त करें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, हम अपनी ओर से, अपने दल की ओर से और बिहार की जनता की ओर से आपको हृदय से बधाई देते हैं क्योंकि आप डॉक्टर राजेन्द्र बाबू की धरती से, सिवान की उस पवित्र माटी से आप बहुत सारे अनुभव को लेकर आये हैं और सिवान की माटी के अनुभव को आप इस सदन के अंदर जरूर साकार करेंगे । बिहार की सांस्कृतिक विरासत जो ठहर गयी उसको भी बढ़ाने में आपकी महती भूमिका होगी क्योंकि बिहार की 13 करोड़ जनता आशा भरी निगाह से देख रही है कि जिस देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू की धरती ने बिहार की गरिमा को देश के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचाया था । उसके बाद श्री बाबू और राजेन्द्र बाबू की जोड़ी ने बिहार की संस्कृति और विरासत को ही नहीं, बिहार के विकास की गति को भी आगे पहुंचाया था, सामाजिक सद्भाव को बढ़ाया था । मां भारती की धरती पर जिसने भी जन्म लिया, किसी जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा का था सबका सम्मान बढ़ाया, सबके मन के अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बनाया, उन्होंने भेद नहीं किया । उन्होंने चेहरा देखकर भेद नहीं किया, उन्होंने व्यक्ति के चेहरे को देखकर नफरत नहीं की, आज हमसे व्यक्ति की नाराजगी हो सकती है, हमारा चेहरा पसंद नहीं हो सकता है । हमारे जैसे लोग, समाज के लोग स्वीकार नहीं कर सकते हैं लेकिन इस बिहार की धरती से, बिहार की माटी से जिनसे भी जन्म लिया है उसका सम्मान बढ़ाने की जिम्मेवारी, इस आसन ने लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर में बैठे हुए जनता के विश्वास को जीतकर आने वाले सभी माननीय विधायकों ने आप पर विश्वास व्यक्त

किया है । यह आसन किसी दल का नहीं होता है, यह आसन किसी पार्टी के बंधन से बंधा नहीं होता है, यह आसन किसी विकारों से ग्रसित नहीं होता है । हमने प्रयास किया था कि इस आसन की पवित्रता बरकरार रहे । यह आसन निरपेक्ष भाव से काम करता रहे और हमारी विधान सभा उत्कृष्ट विधान सभा के रूप में, उत्कृष्ट विधायक के रूप में देश में जानी जाए । यह माहौल बनाना है, हमने उत्कृष्ट विधान सभा, उत्कृष्ट विधायक का जो श्री गणेश किया है उसे आप आगे बढ़ायेंगे । अध्यक्ष महोदय, हमें उम्मीद है कि जो विधायिका की गरिमा गिरी है, जो विधायक पर चोट होती है, कई विधायक आकर बिलबिलाकर कहते थे कि प्रशासनिक अराजकता के कारण हमारा सम्मान घटता है..

(व्यवधान)

अध्यक्ष : मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करता हूं कि शांति बनाये रखें और माननीय नेता विरोधी दल से भी कहूंगा कि अन्य माननीय सदस्यों को भी....

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष की बात को सुना जाए । मैं तो सदन के अंदर आपके आसन और गरिमा की बात कह रहा हूं ।

अध्यक्ष : कहा जाए ।

टर्न–3/अभिनीत/26.08.2022

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, विधायिका की गरिमा बढ़े । अध्यक्ष महोदय, जिस आसन पर आप बैठे हैं, आपके आसन का महत्व बढ़े । आज जब विधान सभा अध्यक्ष के नाते जो कार्यसूची हमने तय किया और उस कार्यसूची में परिवर्तन किया गया यह आसन का अपमान हुआ है । कार्यसूची जो तय की गयी उस कार्यसूची में परिवर्तन किया गया उसको भी हमने स्वीकार कर लिया आसन की गरिमा को रखते हुए लेकिन कार्यसूची में जो प्रति उपस्थापित करने का था उस प्रतिवेदन को उपस्थापित क्यों नहीं किया गया ? वह उपस्थापित होना चाहिए । हमें गर्व है कि बिहार के माननीय मुख्यमंत्री जी भ्रष्टाचार में जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं । विशेष समिति में भ्रष्टाचार का जो आरोप लगा है उस प्रतिवेदन को उपस्थापित होना चाहिए ।...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, जो विषय है...

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आसन से जुड़ा है, आपकी बात की अवहेलना करे, आपका अपमान करे...

अध्यक्ष : मैं कहना चाहता हूं कि आज अध्यक्ष के चुनाव और उस पर आपलोगों की जो भावना है उसको व्यक्त कीजिए । कार्यसूची में मात्र यही है इसलिए आउट ऑफ सब्जेक्ट न जाया जाय, यही मैं आपसे कहना चाहता हूं ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, यह आसन से जुड़ा है । एक अध्यक्ष के आदेश को निरस्त सरकार के दबाव में किया जाय, आसन को नीचे से अगर कोई डायरेक्शन दे, आसन को कोई प्रभावित करे यह आसन का अपमान होगा ।

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आसन कभी प्रभावित होने वाला नहीं है और यह सदन नियम और प्रक्रिया के तहत चलेगा । कार्यसूची में जो है उसके मुताबिक ही आज कार्यवाही हो रही है और होगी ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : मुझे खुशी है लेकिन कल की कार्यसूची में चौथे नम्बर पर प्रतिवेदन था उसको भी आप उपस्थापित करें और आसन की निरपेक्षता को दिखाएं । अध्यक्ष महोदय, मैं तो संवैधानिक संस्था और संवैधानिक पद पर बैठे लोगों का सम्मान करता हूं, मैं उंगली नहीं उठाता । मैंने आज कहा, हम भी तो अध्यक्ष चुनकर आये थे लेकिन लोग जानते थे कि बहुमत नहीं है, उसके बाद भी लोगों ने चुनाव कराया और हमने सर्वसम्मति कराया...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, अब आप आसन ग्रहण करें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आपसे यही आग्रह करेंगे, मुझे पूर्ण विश्वास है, माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी कहा कि आप इनसे पहले के भी अनुभव लेकर बैठे हैं और इतने बड़े अनुभव की किताब बाजार में नहीं मिलती है । माननीय अध्यक्ष महोदय, अनुभव की जीती-जागती मूर्ति के रूप में आप बैठे हैं और अपने अनुभव से बिहार की गरिमा को बढ़ायें । बिहार को जो अपराध और भ्रष्टाचार के वातावरण से कंलकित हुआ है उससे मुक्ति के लिए सदन में एक नया वातावरण बनायें और उस प्रतिवेदन को उपस्थापित करें । यही आग्रह है आपसे...

अध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, आप एक मार्यादित जगह पर हैं और आपका बहुत जबर्दस्त महत्व है, इसलिए सदन की कार्यवाही को चलाने में सकारात्मक भूमिका आपकी होनी चाहिए न कि नकारात्मक । मैं चाहूंगा कि अब आप स्थान ग्रहण करें ।

श्री विजय कुमार सिन्हा, नेता विरोधी दल : अध्यक्ष महोदय, आपके आदेश को मानते हुए प्रतिवेदन को उपस्थापित करने का आग्रह करता हूं । धन्यवाद ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद आपका ।

श्री भाई वीरेन्द्र : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : शांति-शांति । भाई वीरेन्द्र जी स्थान ग्रहण करें ।

अब मैं माननीय उप मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि आप अपने संबोधन से सदन को एक रास्ता और एक अच्छा संदेश बिहार को देने का काम करें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उप मुख्यमंत्री : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले निर्विरोध चुने जाने पर आपको हम हृदय से बधाई देते हैं । हमारी पूरी शुभकामनाएं आपके साथ है और हमारा पूरा सहयोग, आप चूंकि सदन के अध्यक्ष चुने गये हैं, आप संरक्षक हैं तो हमलोगों की भी बड़ी भूमिका है और हमलोगों का पूरा योगदान रहेगा कि आप नियमानुकूल सदन को चला सकें, पूरा सहयोग हमलोगों का मिलेगा । हमलोग तो चाहेंगे कि विपक्ष के लोगों से भी यही उम्मीद है कि आपको पुरजोर तरीके से सदन चलाने में सहयोग करेंगे । आपका इतना पुराना अनुभव, आप जनप्रतिनिधि रहें इतने लंबे समय तक, आप मंत्री रहें, मंत्री रहते हुए कई बड़े-बड़े मंत्रालय संभालने का काम आपने किया और आप हमेशा चिंतित रहते थे लोगों के दुख को, तकलीफ को, आम जनता के, गरीब के दुख और तकलीफ को कैसे दूर किया जाय हमेशा आपने सदन में जनप्रतिनिधि रहते हुए या मंत्री रहते हुए हमेशा कोशिश की कि उनकी समस्याओं का निदान किया जाय । आपका इतना लंबा अनुभव हमारे पिता, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद जी से भी रहा है, आपलोग अच्छे मित्र रहे हैं और हम तो इतना ही कहेंगे कि उनकी तरफ से भी हम आपको शुभकामना और बधाई देते हैं । ज्यादा कुछ न बोलते हुए क्योंकि सभी नेताओं को यहां बोलना है लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा, विजय सिन्हा जी को भी बधाई देते ही हैं कि ये नेता प्रतिपक्ष चुने गये हैं लेकिन विजय सिन्हा जी, अब आप नेता प्रतिपक्ष हैं और इससे पहले आप अध्यक्ष थे तो आप आसन पर बैठकर हमलोगों को जो ज्ञानवर्द्धन किया करते थे मुझे पूरी उम्मीद है कि आप उस पर अमल करने का काम करेंगे । आप तो अब विपक्ष के नेता हैं और नेता होने के साथ-साथ आप जब अमल करिएगा तो देखना पड़ेगा कि आपकी पार्टी के सहयोगी सदस्य भी आपका सहयोग करें । हालांकि आज ज्यादा कुछ नहीं कहना है, माहौल तो बहुत बढ़िया है, इतना आसन को हम जरूर बताना चाहेंगे महोदय, विपक्ष को बताना चाहेंगे, बिहार की पूरी जनता को बताना चाहेंगे कि यह नई सरकार, महागठबंधन की सरकार आदरणीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जो बनी है वह देशहित में बनी है, बिहार के हित में बनी है, गरीब युवाओं के हित में बनी है । समाज का हर एक वर्ग चाहे किसी भी जाति का हो, किसी भी धर्म का हो हमलोग ए-टू-जेड की बात करते हैं कि ऊपर से लेकर नीचे तक सबको साथ लेकर चलेंगे । हमारी यही कोशिश है कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में कितनी समस्याओं का समाधान हम मिलजुलकर कर सकें । हम वह काम करेंगे और

बिहार को एक नये पायदान पर पहुंचाने का काम करेंगे । महोदय, इन्हीं चंद शब्दों के साथ आपको पुनः बधाई देते हैं और विश्वास है कि आप आसन पर बैठकर न्याय करने का काम कीजिएगा । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय उप मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद ।

(व्यवधान)

माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये, सदन को चलाने में सहयोग करें । नेता विरोधी दल, सदन चलाने में सहयोग करावें । आप सहयोग करें, आपको बहुत सारे अवसर मिलेंगे जिसमें आप अपनी बातों को रख सकेंगे लेकिन आज तो आप स्थान ग्रहण कीजिए । बिना इजाजत के आप कुछ नहीं कह सकते हैं, आपको इजाजत नहीं है इसलिए आप स्थान ग्रहण कीजिए ।

(व्यवधान जारी)

मैं आसन से कह रहा हूं कि आप अपना स्थान ग्रहण करें । आपको समय मिलेगा तो आप अपनी बातों को रखिएगा । अभी मैं आपको समय नहीं दे रहा हूं ।
माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ।

टर्न-4/हेमन्त/26.08.2022

अध्यक्ष : माननीय मंत्री, संसदीय कार्य ।

(व्यवधान)

आप शांति कायम करें । सबको अवसर मिलेगा । आप सोचे नहीं, मैं अवसर सबको दूंगा समय आने दीजिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं भी आपको...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति से सुनें । माननीय सदस्य, टोका-टोकी न करें, शांति से सुनें । अपने से अनुभवी सदस्य को कहने दीजिए और जो उनके द्वारा कहा जाय उसको ग्रहण करने की कोशिश हमेशा करनी चाहिए, उससे ज्यादा ज्ञानवर्धन होगा । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : महोदय, सबसे पहले मैं सदन नेता ने..

(व्यवधान)

अध्यक्ष : नहीं-नहीं । मैं माननीय सदस्यों से चाहूंगा कि जब मैंने संसदीय कार्य मंत्री को पुकार दिया है, तो आप शांति व्यवस्था कायम करके इनकी बातों को सुनने का काम कीजिए ।

श्री विजय कुमार चौधरी, मंत्री : सदन नेता, नेता प्रतिपक्ष, उप मुख्यमंत्री ने जो आपके अनुभव, आपके जो पुराने समय में, संसदीय जीवन में जो आचार-व्यवहार रहे हैं, उसके परिप्रेक्ष्य में इस जिम्मेदार आसन पर जो आप आसीन हुए हैं इसके लिए जो इन्होंने बधाई दी है, मैं भी इनके साथ अपनी भावना को जोड़ते हुए आपको बधाई और शुभकामनाएं देता हूं ।

महोदय, हमने भी आपको इस सदन में बड़े लम्बे समय से देखा है और हम आपको लगभग पिछले 40 वर्षों से, क्योंकि मेरे भी इस सदन में आये हुए इस वर्ष 40 वर्ष हो गये । मैंने लगभग 35-40 वर्षो से इस सदन में कार्य करते आपको देखा है और आपने जिस तरीके से सदन में नियमों का पालन करते हुए जिस उच्च संसदीय परंपरा और जीवन का निर्वाह किया है, हम समझते हैं हम सभी जो इस सभा के सदस्य हैं उनके लिए वह एक मिसाल है और सब लोगों को उससे सीख और सबक लेना चाहिए कि आखिर सदन में अपनी बात, गंभीर से गंभीर बात किस तरीके से नियम के तहत की जा सकती है इसका आपने पिछले दिनों उदाहरण पेश किया है । महोदय, यह प्रसन्नता की बात है कि हमारे सभी विपक्षी दलों, हालांकि अब एक ही विपक्षी दल बच गया है..

(व्यवधान)

भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यों ने भी जो आपमें आस्था प्रकट की है, यह उच्च संसदीय परंपरा का निर्वहन है इसके लिए भी मैं भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रतिपक्ष और तमाम माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं और धन्यवाद देता हूं और यही आशा करता हूं कि इन्होंने जो आपमें आस्था व्यक्त की है सर्वसम्मत चुनाव कराकर या नेता प्रतिपक्ष ने आपमें जो आस्था प्रकट की है इस आस्था को आने वाले समय में भी बरकरार रखेंगे यही हमारी शुभकामना है । महोदय, संयोग से इसी महागठबंधन ने, मुख्यमंत्री ने और उप मुख्यमंत्री ने मुझे भी कुछ दिनों के लिए आपके आसन पर काम करने का मौका दिया था और हम भी वहां पर पांच साल आपकी, जो हमारे..

(व्यवधान)

पांच साल बोल दिये । पांच साल हमने भी उस आसन पर रहकर काम किया है । यह बात सही है कि कभी-कभी दुविधा उत्पन्न होती है, कभी-कभी विचारों का संकट आता है । शायद विजय सिन्हा जी ने भी महसूस किया होगा । लेकिन महोदय, हम वहां से भी कहते थे और आज यहां से भी कहते हैं कि जब आसन के सामने कोई दुविधा या संकट की घड़ी आती है, तो देखियेगा कि बराबर आपकी मेज पर एक संविधान की पुस्तक होती है और एक बिहार विधान सभा की जो

प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली होती है, उसकी एक प्रति होती है और इस सदन में चाहे सत्ता पक्ष के लोग कहें या विपक्ष के लोग कहें उससे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है कि यह संविधान क्या कहता है और यहां की नियमावली क्या कहती है, क्योंकि महोदय, इस सदन के संचालन के लिए जो बाईबिल कहिये, गीता कहिये, कुरान कहिये, गुरूग्रन्थ साहिब कहिये, जो कहिये यही दोनों पुस्तकें हैं । जहां कहीं दुविधा होती है, जहां कहीं परेशानी होती है, सदन में संकट उत्पन्न होता है, तो यही दोनों पुस्तकें रास्ता दिखाती हैं । इसलिए हम समझते हैं कि आप पुराने सदस्य हैं, सत्ता पक्ष में तो हम लोग आपके साथ रहेंगे ही, हमारे विपक्ष के नेतागण भी, जो उन्होंने आज आपमें आस्था प्रकट की है उसके अनुरूप व्यवहार करके हम लोग सदन चलने दें । माननीय मुख्यमंत्री ने भी कहा कि सबसे प्रमुख बात जो होती है, जितने नियम या संवैधानिक प्रावधान हैं सबमें मुख्य बात यही कही गयी है कि यह सदन विमर्श का सदन होता है और अगर विमर्श ही नहीं हो पाये या विमर्श में ही बाधा उत्पन्न हो जाय, तो महोदय, इस सदन की उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगता है । तो यह हम और आपको देखना है कि कल बिहार की जनता की नजर में इस सदन की उपयोगिता को ही हम कम न करें जिससे कि प्रजातंत्र की इस उच्चतम संस्था और इस मंदिर की छवि लोगों के मन में धूमिल हो। इसलिए हम सभी से आपके माध्यम से और आपके आसन पर रहते मुझे पूरा यकीन है कि यह सदन संवैधानिक परंपराओं और नियमों से चलेगा, हम सभी आपके साथ रहेंगे । इन्हीं शब्दों के साथ हम आपके प्रति शुभकामना और बधाई देते हैं ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद । अब मैं बिहार विधान सभा के माननीय उपाध्यक्ष जी से चाहूंगा कि वह भी अपनी भावना को व्यक्त करें ।

उपाध्यक्ष : अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर चुनने के लिए आपका जो चुनाव हुआ इसके लिए सदन के प्रति और सभी के प्रति मैं धन्यवाद देना चाहता हूं । वैसे तो मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जनता के द्वारा निर्वाचित होकर जितने माननीय सदस्य आते हैं उसकी भावना रहती है कि किस तरह से समस्याएं हल हों और सत्ता तो आती और जाती रहती है, लेकिन जो संविधान का नियम होता है, जो विधान सभा की नियमावली होती है उसी के तहत विधान सभा चलती है, लेकिन निर्वाचित सरकार, निर्वाचित हमारे जो सदस्य हैं उसकी गरिमा को कैसे तार-तार किया गया, दुर्भाग्यपूर्ण था । सरकार बदल गयी, सरकार बदलने के बावजूद भी जिस तरह से यहां पर खेल हुआ, जिस तरह से प्रजातंत्र का खेल हो रहा था, इससे बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण.....

टर्न–5/धिरेन्द्र/26.08.2022

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय सदस्यगण अपना स्थान ग्रहण करें । आप अपना स्थान ग्रहण करें और माननीय उपाध्यक्ष जी जो बोल रहे हैं उन्हें बोलने दें । आप अपना स्थान ग्रहण करें और धैर्य से सुनें ।

(व्यवधान जारी)

उपाध्यक्ष : जिस तरह से इन भाजपाइयों ने अवहेलना का काम किया । जिस तरह से बचाने का काम किया, दलित समाज के लोगों को जिस तरह से कुर्सी पर बैठकर मजाक करने का काम किया । यह जनता हिसाब लेगी...

(व्यवधान जारी)

अध्यक्ष : माननीय उपाध्यक्ष जी, आप आज का जो संदर्भ है, उसी संदर्भ पर आप अपना विचार दें । ये क्या किये, नहीं किये, अब वैसा होने वाला नहीं है । यह मैं आपको आश्वासन देता हूँ ।

(व्यवधान जारी)

आपलोग बैठिये । उपाध्यक्ष जी ।

(व्यवधान जारी)

संजय सरावगी जी आप बैठ जाइये, उनको बोल लेने दीजिये, उसके बाद अवसर देंगे । माननीय सदस्यगण आप अपना स्थान ग्रहण करें, आपको भी अवसर मिलेगा। बहुत अवसर मिलेंगे कि आप आपनी बात को कहेंगे लेकिन अभी आप अपना स्थान ग्रहण करें ।

अब माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा जी और मैं चाहूंगा कि संक्षिप्त में ही आप अपना उद्‌गार व्यक्त करें ।

श्री अजीत शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज सदन ने...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपलोग शांति बनाए रखें । माननीय सदस्य श्री अजीत शर्मा जी को अवसर दिया गया है, आप सुनें और उन्हें सहयोग करें ।

श्री अजीत शर्मा : आज सदन ने आपको अध्यक्ष चुना है इसके लिए मैं इस सदन को, सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को, माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी यादव जी को और नेता प्रतिपक्ष आदरणीय श्री विजय कुमार सिन्हा जी को और सभी दलों को धन्यवाद देता हूँ कि निर्विरोध और सर्वसम्मति से आपको अध्यक्ष चुना है ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री अजीत शर्मा : महोदय, एक मिनट ।

अध्यक्ष : आपको बहुत-बहुत धन्यवाद । अब मैं चाहूंगा कि भूमिका न करके, आपको प्रसन्नता है और आपने प्रसन्नता व्यक्त कर दी है । आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अब मैं माननीय सदस्य श्री महबूब आलम जी से चाहूंगा कि वे अपना उद्‌गार व्यक्त करें और संक्षेप में ।

श्री महबूब आलम : अध्यक्ष महोदय...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : आपलोग शांति बनाए रखें ।

श्री महबूब आलम : महोदय, मैं अपनी पार्टी की तरफ से, अपने विधायक दल के साथियों की तरफ से अपने तमाम विधान सभा के अंदर जो सहयोगी दल हमारा गठबंधन है उन तमाम विधायक दल के साथियों की तरफ से और अपने 65-बलरामपुर विधान सभा क्षेत्र की जनता और बिहार की जनता की तरफ से आपको दिल की गहराई से मैं बधाई देना चाहता हूं, शुभकामना देना चाहता हूं । महोदय, लेकिन एक बात मुझे कहना है कि जब हम बधाई देते हैं और शब्दों से जब हम अपनी भावनाओं को उद्‌गार करते हैं तो ये गणीतीय विषय नहीं है । शब्दों को सीमित बहुत हद तक नहीं किया जा सकता है और मैं माननीय प्रतिपक्ष के नेता श्री विजय कुमार सिन्हा जी को भी बधाई देना चाहता हूं । सचमुच में आपने जिस तरह से हमलोगों को उपदेश देने का काम किया, हमलोगों के ज्ञान को समृद्ध करने का काम आपने किया है जरूर, लेकिन आप ही के कार्यकाल में इस लोकतंत्र के मंदिर को कलंकित होते हुए भी हमने देखा है और आपने भी देखा है ।

अध्यक्ष : माननीय महबूब आलम साहब, समय की कमी है इसलिए आपने अपनी भावना को व्यक्त किया...

श्री महबूब आलम : महोदय, दो शब्द...

(व्यवधान)

अध्यक्ष : जो भी असंसदीय भाषा होगी उसको मैं निकलवा दूंगा । आप बैठिए ।

श्री महबूब आलम : महोदय, हमने देखा कि जब हमपर लाठियां चली, विधायकों को पुलिस के बूट से सम्मान किया गया, हमारी विधायिकाओं की साड़ी तक खींची गई, उसके बावजूद भी जब सदन...

अध्यक्ष : अब आप स्थान ग्रहण करें । महबूब साहब आप स्थान ग्रहण करें । अब माननीय सदस्य, श्री अजय कुमार जी । आपको बहुत-बहुत धन्यवाद महबूब साहब, आप स्थान ग्रहण करें । आसन के द्वारा आपसे कहना है कि अब आप स्थान ग्रहण करें

और अजय कुमार जी को समय दिया गया है उनको बोलने दिया जाय । माननीय सदस्य, श्री अजय कुमार जी । आप एक मिनट में अपने उद्‌गार को व्यक्त करें, समय की कमी है ।

श्री अजय कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन ने आपको सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना है और इसके लिए सबसे पहले माननीय नेता सदन और नेता प्रतिपक्ष और उप मुख्यमंत्री जी, ये तीनों इसके लिए बधाई के पात्र हैं और आपको भी बधाई देते हुए मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं और वह बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस पद पर आप आज आसन ग्रहण किए हैं, बिहार की उम्मीद है यह सदन और बिहार की उम्मीद जो है तो हमें यह देखना है कि बिहार के अंदर मुश्किलें क्या हैं, उसके लिए रास्ता हमें ढूंढना पड़ेगा । बिहार में आज खाइयां भाइयों-भाइयों के बीच में बढ़ी हैं, दूरियां बढ़ी हैं और यह सच है । एक सेकेंड....

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शांति-शांति ।

श्री अजय कुमार : और यह सही है कि इसकी शुरुआत बिहार से नहीं होती है ।

अध्यक्ष : शांति-शांति । माननीय सदस्य, शांति बनायें ।

श्री अजय कुमार : बल्कि दूसरे राज्यों से होती है और दूसरे कई राज्यों से होते हुए बिहार के अंदर जो बंटवारा करने का सवाल खड़ा करता है दो धर्मों के बीच में । इसीलिए महोदय, मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप इस सदन में, आप इन बातों पर हर समय चौकस रहेंगे, मेरी उम्मीद है और जरूर आप रहेंगे । आपको बहुत-बहुत बधाई ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद । अब माननीय सदस्य श्री राम रतन सिंह जी ।

श्री राम रतन सिंह : अध्यक्ष महोदय, सदन में उपस्थित पक्ष और विपक्ष दोनों साईड के माननीय सदस्यगण । सबसे पहले सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी को और उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी को और हमारे विपक्ष के नेता माननीय श्री विजय कुमार सिन्हा जी को सबसे पहले मैं अपनी ओर से, अपने दल की ओर से बधाई देना चाहता हूँ और आप जिस आसन पर आसीन हुए हैं, हम पूरे सदन की ओर से और सदन की जो भावना है उसके अनुरूप आप आने वाले दिनों में, चूंकि यह संवैधानिक पद है और आप, मैं समझता हूँ कि बहुत लंबे काल से विधान सभा में आप रहे हैं, मंत्री भी रहे हैं और क्षेत्र का नेतृत्व भी किया है । इसीलिए मैं समझता हूँ कि आप निश्चित तौर पर विधान सभा सदन को चलाने की जो नियमावली है, उस पर आप इस सदन को ईमानदारी से चलाने का प्रयास करेंगे और हम तमाम लोग जो अपनी वाणी से आपको शुभकामना दे रहे हैं,

हम भी आपको आने वाले दिनों में पूरा-पूरा सहयोग करेंगे इस सदन को चलाने में। इन्हीं चंद बातों को कहते हुए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत धन्यवाद । अब मैं माननीय सदस्य, पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री जीतन राम मांझी जी से चाहूंगा कि वे अपना उद्‌गार व्यक्त करें ।

टर्न-6/संगीता/26.08.2022

श्री जीतन राम मांझी : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले आपको इस अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से जो चुनाव हुआ उसके लिए हम अपने दिल की गहराइयों से शुभकामना देते हैं और बधाई देते हैं । दूसरी ओर, यह सर्वसम्मत चुनाव हुआ जिसमें अहम् भूमिका माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का, उप मुख्यमंत्री हमारे तेजस्वी प्रसाद जी का और मैं कह सकता हूं कि नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हाजी का भी इसमें योगदान रहा है इसलिए इन तीनों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं और शुभकामना देते हैं । बहुत बात कहने की नहीं है, आप जानते हैं 1980 से हम विधायक रहे हैं, आप भी लगभग उसी समय से रहे हैं, पुराने मित्रों में से हैं, आपके कार्यकाल को हमलोगों ने देखा है । हम सिर्फ दो पंक्ति कह करके इस आसन की गरिमा के बारे में और आपके कर्तव्य के बारे में बताना चाहते हैं । एक तो है आप सब, हम जानते हैं प्रेमचंद जी को पढ़ते हैं, प्रेमचंद जी ने कहा था कि- ''पंच के मंच पर बैठा व्यक्ति न किसी का दोस्त होता है न किसी का दुश्मन होता है ।'' इसलिए वह करना चाहिए और एक पंक्ति और आई है जो रामायण से बात आती है, रामायण में कहा गया है-

''मुखिया मुखु सो चाहिए, खान-पान कहुँ एक,
पालइ-पोषइ सकल अंग, तुलसी सहित विवेक ।''

आप इस अवधारणा से अगर काम करेंगे तो मैं समझता हूं कि यह सदन बढ़िया से चलेगा और यह सरकार भी बढ़िया से चलेगी और बिहार की जनता की जो अपेक्षाएं हैं उन सारी अपेक्षाओं की पूर्ति होगी । बहुत, बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : बहुत धन्यवाद । अब मैं माननीय सदस्य श्री अखतरूल ईमान जी से चाहूंगा कि वे अपना उद्‌गार व्यक्त करें ।

श्री अखतरूल ईमान : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं दिल की अमीक गहराइयों से...

अध्यक्ष : आपसे मेरा इस आसन से निवेदन हुआ चूंकि आप एक माननीय सदस्य हैं कि समय की कमी है इसलिए आपको उद्‌गार व्यक्त करना है, बहुत अवसर मिलेंगे, दिया जाएगा इसलिए एक मिनट में ही अपनी बातों को समाप्त करें ।

श्री अखतरूल ईमान : ठीक है सर, मैं एक मिनट में ही रख देता हूं सर । मैं दिल की अमीक गहराइयों से आपके सर्वसम्मत तौर पर अध्यक्ष चुने जाने पर मुबारकवाद देता हूं और मैं सदन के सभी माननीय सदस्यों का भी शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने सर्वसम्मत का माहौल बनाया । महोदय, आप कस्टोडियन हैं हमारे, हम यह उम्मीद करते हैं कि न आप सत्ता के पक्षधर होंगे न विपक्ष के पक्षधर होंगे बल्कि निष्पक्ष होंगे बल्कि सत्य के पक्षधर होंगे यह हम आशा करते हैं । आपसे निजी तौर पर जब भी मिला हूं आपसे प्रभावित हुए बिना कोई व्यक्ति नहीं रहा है और आपका जो अब तक का राजनीतिक जीवन रहा है हम उम्मीद करते हैं इस सदन में एक नया इतिहास आप रचेंगे और मुझे एक बात सिर्फ कह लेने दीजिए कि इस वक्त ये सदन बड़ा संतुलित लग रहा है आप आसन में ब-हैसियत अध्यक्ष पद के बैठे हैं और सत्ता की तरफ भी एक माननीय पूर्व अध्यक्ष बैठे हैं जिनका लंबा तजुर्बा रहा है और आज विपक्ष में भी वे शख्स बैठे हैं जो पहले उस जगह पर बैठे हुए थे, वे भी अध्यक्ष रहे हैं तो मैं समझूंगा कि सिर्फ राजा ने अपने मंत्री से कहा कोई एक शब्द लिख दो कि दुख और सुख में काम आए तो उसने लिख दिया उसके सामने की दीवार पर कि ये वक्त भी गुजर जाएगा ।

अध्यक्ष : बहुत-बहुत मुबारकवाद ।

श्री अखतरूल ईमान : अगर उसको सदर है उनका भी, आपका भी, मेरा भी गुजरेगा लेकिन उसके बाद आत्मा को शांति मिले ऐसा काम हम सबको करना चाहिए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय उप मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता विरोधी दल श्री विजय कुमार सिन्हा जी, माननीय श्री जीतन राम मांझी जी, श्री अजीत शर्मा जी, श्री महबूब आलम जी, श्री राम रतन सिंह जी, श्री अजय कुमार जी, श्री अखतरूल ईमान जी एवं इस सदन में मौजूद सभी दलों के माननीय सदस्यगण, आज सर्वसम्मति से मुझे अध्यक्ष पद पर निर्वाचित कर आपलोगों ने जो मिसाल पेश की है, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है इसके लिए मैं आप सबका हृदय से आभारी हूं ।

मैं एक साधारण सा आदमी हूं, किसान हूं, किसानों की समस्याओं को लेकर मैंने संघर्ष किया है । मुझे गर्व है कि मैं भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी के जन्मस्थली सीवान जिले से आता हूं । मैं गांधी और लोहिया की विचारधारा से काफी प्रभावित रहा हूं, उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास करता हूं । मैं लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की नीति, विचार एवं सिद्धांतों को

अपनाने का प्रयास भी करता रहा हूं कि कैसे विचारों को व्यावहारिक रूप दिया जाता है । मैं बाबा साहब भीम राव अंबेडकर, डॉ0 राम मनोहर लोहिया एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर के उन आदर्शों को भी अपनाने का प्रयास करता हूं कि कैसे समाज के वंचित और पीड़ित समुदायों के साथ खड़ा हुआ जाता है, उनकी तकलीफों को दूर करने का प्रयास किया जाता है । मैं अपने को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं माननीय लालू जी के दिल के करीब हूं, उन्होंने मुझे मान-सम्मान दिया, उन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया, अन्याय के विरूद्ध लड़ने की हिम्मत दी, उनकी राजनीतिक कुशलता मुझे संघर्ष करने की प्रेरणा देती है इसलिए मैं उनके दीर्घायु होने की कामना करता हूं क्योंकि देश में एकमात्र सेक्यूलर एवं अव्वल दर्जे के समाजवादी नेता हैं जो सामाजिक न्याय, साम्प्रदायिक सद्भाव एवं आपसी भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में काम करते रहे हैं ।

मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के प्रति इतना ही कहना चाहता हूं कि वे मात्र मुख्यमंत्री नहीं हैं, वे स्टेट्समैन हैं, एक विराट दूरदर्शिता है उनमें । उनके पास डॉ0 श्रीकृष्ण सिंह जी जैसी प्रशासनिक कुशलता है । उनके पास सबों को साथ लेकर चलने का जज्बा है, उनके उद्गार के प्रति मैं उनका आभारी हूं । मैं बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव के प्रति विशेष आभार प्रकट करता हूं । यह बिहार के लिए एक सौभाग्य की बात है कि उसे एक सशक्त युवा नेता मिला है जो हम जैसे बुजुर्गों को साथ लेकर चलने का जज्बा रखता है, मैं उनके प्रति विशेष आभार प्रकट करता हूं । मैं विधान सभा में अन्य सभी दलों के माननीय सदस्यों से, उनके नेता से प्रभावित रहता हूं । मैं हमेशा जनता के हित के प्रति सजग रहा हूं । मैं आप सबों को हृदय से धन्यवाद देता हूं, मैं आप सबों को विश्वास दिलाता हूं कि इस सदन की मर्यादा और प्रतिष्ठा, विधान सभा के सभी माननीय सदस्यों के मान एवं सम्मान की रक्षा करता रहूंगा ।

बिहार की जनता के हितों के लिए बिहार विधान सभा के इस फोरम को अधिक से अधिक सशक्त बनाने का प्रयत्न करूंगा । मैं चाहूंगा कि सदन में विमर्श का स्थल अच्छा हो, सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप से हम बिहार की जनता के हितों को नहीं साध सकते हैं । मैं उम्मीद करता हूं कि यह सभा जनता के दुख दर्द का आईना बनकर आप सभी प्रतिनिधियों के साथ सरकार को सही मार्गदर्शन देता रहेगा और सरकार विधान सभा के प्रति अपनी जवाबदेही निभाती रहेगी । यह सदन और यह संसदीय व्यवस्था एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें माननीय सदस्य आम जनता की तकलीफों को एक कागज में लिखकर देते हैं, सदन में विमर्श होता है, तत्क्षण उसका निपटारा होता है या उसके लिए नीतियां बनती हैं, कानून बनते हैं, यही

संसदीय व्यवस्था की खूबसूरती है । इस देश के लिए जहां विभिन्न धर्मों और जातियों की आबादी रहती है...

(क्रमशः)

टर्न–7/सुरज/26.08.2022

(क्रमशः)

अध्यक्ष : उनकी आवाज को उनके प्रतिनिधियों के माध्यम से उठाया जाता है और उन मुद्दों एवं प्रश्नों का हल यहां ढूंढा जाता है । आपलोगों ने मुझे एक चुनौती भरा दायित्व सौंपा है, मैं प्रयास करूंगा कि इस चुनौती पर खरा उतरूं । इसके लिये मुझे स्वयं को स्वस्थ परंपरा में ढालना होगा क्योंकि आसन के संदेश का अनुपालन सरकार गंभीरता से तभी लेगी जब वह नीति संगत हो, न्याय संगत हो । साथ ही ऐसा होने पर ही आसन सरकार से माननीय सदस्यों के द्वारा उठाये गये उचित प्रश्न का सकारात्मक हल निकालने का अग्रह कर सकेगा तथा आसन इस चुनौती का सामना कर सकेगा । आप सबों ने मेरे प्रति जो उद्‌गार व्यक्त किया है, मैं प्रयास करूंगा कि आप सबों की अपेक्षाओं पर खरा उतरूं, मैं हमेशा प्रयास करूंगा कि आसन की निष्पक्षता बनी रहे । आसन का संचालन बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के अनुरूप हो तथा सदन का मान बढ़े । मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप सबों का पूर्ण सहयोग मुझे प्राप्त होगा । मैं पुनः माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय उप मुख्यमंत्री जी, नेता विरोधी दल एवं सभी दलों के नेतागण तथा सदन के सभी माननीय सदस्यों के प्रति आभार प्रकट करता हूं । अब राष्ट्रगीत होगा ।

श्री प्रमोद कुमार : अध्यक्ष महोदय, एक माननीय सदस्य का निधन हो गया है.....

अध्यक्ष : निधन जो हो गया है उसपर बाद में आयेगा तो उसमें हमलोग उसको करेंगे ।

(राष्ट्रगीत)

माननीय सदस्यगण, अब सभा की बैठक अनिश्चित काल तक के लिये स्थगित की जाती है ।